

म. प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड
26, किसान भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल

क./ बी-6/नियमन/अक्रियाशील अनु0/525/3097 भोपाल,दिनांक 30/01/2018
प्रति,

1. संयुक्त/उप संचालक,
म0प्र0राज्य कृषि विपणन बोर्ड,
ऑचलिक कार्यालय (समस्त).
2. अध्यक्ष/सचिव,
कृषि उपज मंडी समिति (समस्त)

विषय:-कृषि उपज मंडी समिति के अक्रियाशील अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी/प्रसंस्करणकर्ता की मंडी अनुज्ञप्ति निरस्त करने के संबंध में।

प्रदेश की कृषि उपज मंडी समितियों में 34965 अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी/प्रसंस्करणकर्ता अनुज्ञप्त है।

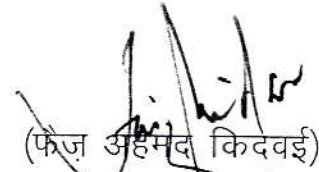
2/ म0प्र0 कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 31 में मंडी क्षेत्र में "अधिसूचित कृषि उपजों के विपणन कार्य करने वाले व्यक्तियों के विनियमन" एवं धारा 32 में "ऐसे व्यक्तियों को अनुज्ञप्ति मंजूर करने की शक्ति" प्रावधानित है। मंडी क्षेत्र में अधिसूचित कृषि उपजों का व्यापार करने इच्छुक व्यक्ति ही मंडी समिति से अनुज्ञप्ति प्राप्त करते हैं। अतः प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी/प्रसंस्करणकर्ता का यह कर्तव्य है कि वह अपने कारोबार के प्रसामान्य क्रम में कृषि उपज के उत्पादकों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करते हुये, मंडी अधिनियम, नियम एवं उपविधियों के अधीन कृषि उपजों का क्रय विक्रय संपन्न करे अन्यथा व्यापार न करने की स्थिति में अपनी अनुज्ञप्ति मंडी समिति को समर्पित कर दे।

3/ यह संज्ञान में आया है कि कतिपय अनुज्ञप्तिधारक अपना प्रसामान्य कारोबार चलाने से प्रविरत रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप ऐसे अनुज्ञप्तिधारियों से उत्पादकों को, मंडी में प्रतिस्पर्धा का कोई लाभ प्राप्त नहीं होकर इस प्रकार की अनुज्ञप्ति अक्रियाशील होकर मंडी के हित में औचित्यहीन हो गई है। ऐसे कतिपय अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी/प्रसंस्करणकर्ता द्वारा मंडी अधिनियम, नियम, उपविधि के प्रावधानों का उल्लंघन किया जा रहा है।

4/ यह भी संज्ञान में आया है कि उक्त अक्रियाशील अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी/प्रसंस्करणकर्ता के द्वारा मंडी/उप प्रांगणों में धारित भूमि/निर्मित संरचना का धारणाधिकार भी कायम किया हुआ है जबकि वे अधिसूचित कृषि उपजों के क्रय-विक्रय से संबंधित कोई कारोबार नहीं कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में उनके द्वारा धारित भूमि/निर्मित संरचना का आवंटन भी उद्देश्यहीन हो गया है।

5/ मण्डी/उप मण्डी प्रांगण में भूमि/निर्मित संरचना ऐसे अक्रियाशील व्यापारी/प्रसंस्करणकर्ता को धारित/आवंटित होने के कारण जो अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी/प्रसंस्करणकर्ता मंडी/उपमंडी प्रांगण में अधिसूचित कृषि उपज का नियमित क्रय-विक्रय कर रहे हैं, उन्हें भूमि/निर्मित संरचना उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

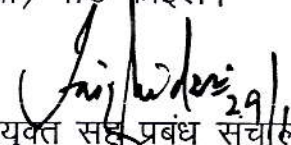
अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि ऐसे अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी/प्रसंस्करणकर्ता जो विगत पांच वर्षों से मंडी/उप मण्डी प्रांगण में अधिसूचित कृषि उपजों के घोष विक्रय में भाग नहीं ले रहे हैं जिसके परिणाम स्वरूप उत्पादकों को मंडी में प्रतिस्पर्धा का उनसे कोई लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है ऐसी निरर्थक, निरउद्देश्य एवं निष्क्रिय अनुज्ञप्तिधारी व्यापारियों/प्रसंस्करणकर्ता की, म0प्र0 कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 33(4) तथा सहपठित उपविधि 19 के विहित प्रावधानों के अध्याधीन मंडी अनुज्ञप्ति निरस्त करे एवं म0प्र0 कृषि उपज मंडी (भूमि एवं संरचना का आवंटन) नियम, 2009 के नियम 17(तीन) के विहित तथा तत्समय प्रचलित विभिन्न नियमों/निर्देशों/अनुबंध के प्रावधानों के अंतर्गत, उन्हें आवंटित भूमि/निर्मित संरचना को निरस्त कर भूमि/संरचना का रिक्त अधिपत्य प्राप्त कर नियमानुसार क्रियाशील अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी/प्रसंस्करणकर्ता को आवंटन की कार्यवाही कर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करते हुये प्रतिवेदन प्रेषित करें।



(फैज अहमद किदवाई)
आयुक्त सह प्रबंध संचालक
म0प्र0 राज्य कृषि विपणन बोर्ड
भोपाल

क./ बी-6/नियमन/ अक्रियाशील अनु0/525/3098 भोपाल,दिनांक 30/01/2018
प्रतिलिपि :- कृपया सूचनार्थ।

1. प्रमुख सचिव, म0प्र0शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ।
2. अपर संचालक/संयुक्त संचालक/उप संचालक, म0प्र0 राज्य कृषि विपणन बोर्ड, भोपाल (समस्त)।
3. अपर संचालक/उप संचालक (प्रांगण), म0प्र0 राज्य कृषि विपणन बोर्ड, भोपाल की ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु।
4. नियमन शाखा/वित्त शाखा/प्रांगण शाखा/नवीन मंडी शाखा/
एम0आई0एस शाखा/शिकायत शाखा/भंडार शाखा/गार्ड फाईल।


आयुक्त सह प्रबंध संचालक
म0प्र0 राज्य कृषि विपणन बोर्ड
भोपाल